और अब बेवफाई का जीन

हो सकता है कि भविष्य में किसी व्यक्ति के डी.एन.ए. का विश्लेषण करके बताया जा सकेगा कि वह अपनी पत्नी के प्रति वफादार रहेगा या हरजाई हो जाएगा। इस विचार की शुरुआत वोल्स नामक जीवों के अध्ययन के साथ हुई थी। वोल्स चूहे जैसे जीव होते हैं, जिनका थूथन गोल होता है। इनमें देखा गया था कि एक हार्मोन वेसोप्रेसिन का ग्राही अलग-अलग स्थान पर होता है और इस बात का असर उनके लैंगिक व्यवहार पर पड़ता है। घास के मैदानों में रहने वाले वोल्स एक ही मादा के साथ समागम करते हैं जबकि नदी किनारे रहने वाले वोल्स हरजाई होते हैं। विचार यह था कि क्या इन्सानों में वेसोप्रेसिन का ऐसा ही असर हो सकता है?

अब पता चला है कि मनुष्यों में भी वेसोप्रेसिन ग्राही के जीन्स से कुछ अंदाज़ लग सकता है कि व्यक्ति एक साथी के प्रति वफादार रहेगा या कइयों से वादे करेगा। स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट के हासे वालम और उनके साथियों ने स्वीडन के 552 लोगों में वेसोप्रेसिन ग्राही के जीन्स के अलग-अलग प्रकार देखे। इसके बाद शोधकर्ताओं ने उनके व्यक्तिगत सम्बंधों की गुणवत्ता की भी छानबीन की।

उन्होंने पाया कि एक जीन आर.एस.3-334 में विविधता का सम्बंध इस बात से है कि पुरुष अपने साथी के साथ कैसा रिश्ता बनाता है। कुछ पुरुषों में यह जीन होता ही नहीं और ऐसे पुरुष भी होते हैं जिनमें एक या दो प्रतिलिपियां होती है। देखा गया कि इस जीन की जितनी ज़्यादा प्रतिलिपियां होती हैं, आदमी साथी के साथ निर्वाह में उतना ही कच्चा होता है। यह भी देखा गया कि जिन पुरुषों में इस जीन की दो प्रतियां होती हैं, उनके अविवाहित रहने की संभावना ज़्यादा होती है, बनिस्बत उन पुरुषों के जिनमें शून्य या एक प्रति होती है। और यदि दो प्रतियों वाले पुरुष शादी कर लें, तो उनका वैवाहिक जीवन कलहपूर्ण होता है।

शोधकर्ता दल को यकीन है कि आर.एस.3-334 जीन की एकाधिक प्रतियां हों, तो किसी कारण से पुरुषों में निष्ठा की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। अभी यह पता नहीं है कि वेसोप्रेसिन ग्राही के जीन्स की एक से ज़्यादा प्रतियां ऐसा क्या करती हैं। इस संदर्भ में एक विचार यह है कि जंतुओं के मस्तिष्क में दो 'प्रेरणा' तंत्र होते हैं - एक पारितोषिक से सम्बंधित और दूसरा सामाजिक एहसास से सम्बंधित। कुछ जंतुओं में इन दो तंत्रों के ग्राही पास-पास की कोशिकाओं में होते हैं। इससे सामाजिक एहसास बहुत लाभदायक हो जाता है। देखना यह है कि क्या इन्सानों में भी ऐसा है। वैसे वेसोप्रेसिन को व्यक्ति में दूसरों पर विश्वास करने की भावना से भी जोड़ा गया है। अब शोधकर्ता यह देखना चाहते हैं कि क्या परोपकार और ईर्ष्या के मामले में भी यह कोई भूमिका निभाता है। ***(स्रोत फीचर्स)***